अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष—10 अंक—164 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 14 सितम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

विद्युत करंट लगने एक व्यक्ति की हुई मौत , पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा

अवध की आवाज

गोंडा। वजीरगंज क्षेत्र के में सोमवार को सुबह करंट लगने से एक व्यक्ति मृत्यु हो गई जिससे क्षेत्र में मातम फैल गया। पुलिस ने तत्काल लोगों को सांत्वना देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस प्रकार से बताते चलें कि ग्राम प्रधान वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मृतक प्रदीप कुमार उम्र 35 वर्ष पुत्र राम मूर्ति प्रातः भोर में लगभग 3.30 बजे खेत से शौच करके लौटा था घर पर, घर के आंगन में अनायास ही किसी कारण बस लटकते हुए विद्युत तारों की चपेट में वह आ गया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता राममूर्ति की सूचना पर उप निरीक्षक सुशील कुमार सिंह के साथ पुलिस टीम घटनास्थल की जांच कर पंचनामा भरा । इस प्रकार से थाना अध्यक्ष प्रबोध कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

शांति भंग करने के मद्देनजर थाना मोतीगंज पुलिस के द्वारा की गई बड़ी कार्यवाही

अवध की आवाज

गोंडा। उप निरीक्षक सुनील कुमार यादव द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही के अंतर्गत अभियुक्त लोगों के द्वारा शांति भंग करने के कारण धारा 107ध्त्र/116 और 151 सीआरपीसी की कार्यवाही कर अभियुक्त गणों का चालान माननीय न्यायालय रवाना किया गया। इस प्रकार से बताते चलें जिला गोंडा के एसपी ने सभी एस एचओ और थाना प्रभारी लोगों को निर्देशित किया है कि आप अपने अपने क्षेत्र में शांति भंग करने के अंदेशा करने वाले व्यक्तियों को तुरंत गिरफ्तार करके माननीय न्यायालय करिए रवाना। इस प्रकार से गिरफ्तार करने में पुलिस टीम ने, रघु सिंह पुत्र रामलावन सिंह ,छांगुर पुत्र जगेसर निवासी ग्राम भुलैया थाना मोतीगंज से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार करता टीम में उप निरीक्षक सुनील कुमार यादव कांस्टेबल मनीष कुमार आदि लोगों ने उक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार करके भेजा माननीय न्यायालय। इस प्रकार से शासन–प्रशासन पूर्ण रूप से आम आदमी की सुरक्षा का प्रतिपादन करते हुए दिन रात पुलिस विभाग अनवरत लोगों की सेवा में वचनबद्ध है।

योगी की कन्या सुमंगला योजना से 9.9 लाख लड़कियों को फायदा

लखनऊ, (वेब वार्ता)। कन्या सुमंगला योजना ने उत्तर प्रदेश में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से 9.9 लाख से अधिक

लड़कियों को लाभान्वित किया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान की मदद से योजना के तहत 1.55 लाख से ज्यादा नई लड़कियों को जोड़ा गया है। अगस्त माह में आयोजित स्वावलंबन शिविर के माध्यम से निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही योजनाओं के आवेदन भी स्वीकार किए गए हैं। इन सभी योजनाओं में नए लाभार्थियों को जोड़ा जा रहा है। 1 अप्रैल 2019 को कन्या सुमंगला योजना के लागू होने के बाद से, राज्य में लगभग 9.91 लाख लाभार्थियों को इस योजना के तहत फायदा मिला है। समान लिंगानुपात स्थापित करने, राज्य में कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह पर अंकुश लगाने और बेटियों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से, इस योजना में एक लड़की को उसके जन्म के समय से शुरू होकर लगभग 15 वर्षों की अवधि में 15,000 रुपये का भुगतान करने की परिकल्पना की गई है। अंतिम किस्त का भुगतान तब किया जाता है जब उसे स्नातक या डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलता है। इस योजना के तहत चरणबद्ध तरीके से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। जन्म और पहले टीकाकरण पर क्रमशः 2,000 रुपये और 1,000 रुपये की राशि दी जाती है। इसके बाद कक्षा 1 और 6 में प्रवेश के समय सभी को 2,000 रुपये दिए जाते हैं। 3,000 रुपये की पांचवीं किस्त तब दी जाती है जब कोई लड़की कक्षा 9 में नामांकित होती है, जबकि 5,000 रुपये की अंतिम किस्त तब दी जाती है जब इंटरमीडिएट पास करने वाली लड़की स्नातक या डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसहारा महिलाओं को सुरक्षा भी प्रदान की है। पति की मश्त्यु के बाद राज्य की लगभग 29.68 लाख महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत भुगतान किया जा चुका है। वहीं, वर्ष 2021–22 में 1.73 लाख पात्र नए लाभार्थियों को जोड़ा गया है। प्रवक्ता ने कहा कि राज्य में मिशन शक्ति 3.0 जैसे प्रमुख अभियान इस बात का प्रमाण हैं कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं और लड़कियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

नरेगा योजना में फर्जीवाड़े की खुली पोल कार्यवाही के डर से पीड़ितों से घिघियाते दिखे भृष्ट ब्लाक अधिकारी

ग्रामीणों को पता तक नही और फर्जी रूप से उनके नाम पर लगातार नरेगा कार्य व धन निकासी जारी

रोजगार सेवक से लेकर बीडीओ तक में होती है नरेगा फर्जी धननिकासी की बंदरबांट

उदौरा/जालौन 12सितंबर ।कदौरा विकास खण्ड का तो भगवान ही मालिक है जहां विकास योजनाएं भृस्टाचार के मकड़ जाल में फंसकर रह गयी है जिसमे सरकार की एक से एक महत्वपूर्ण योजना में आने वाले धन को उन्ही के महकमे के लोग अपनी जेब भरने में लगे है और शिकायत होने पर इसकी विधिवत जांच न होने पर भृस्टाचार की जड़े मजबूत हो चुकी है ।अब देखिए न नरेगा योजना में जहां मजदूरो को रोजगार मिलना चाहिए वहां फर्जी जॉब कार्ड लगाकर रोजगार सेवक से लेकर बीडीओ तक मे उक्त सरकारी धन की बंदरबांट हो रही है और कोई कहने सुनने वाला नही है ।अभी पिछले दिन ग्राम पाली में नरेगा योजना में धांधली की खबर प्रकाशित होने पर पोल खुलती देख अधिकारी प्रधान शिकायत कर्ता को फुसलाते व घिघियाते नजर आ रहे है। गौरतलब हो कि विकास खण्ड कदौरा में बीते दिन ग्राम पंचायत पाली निवासी मजदूर गोरेलाल पुत्र रामरतन द्वारा उसके परिवार के नाम दोहरे जॉब कार्ड बनने व लगातार फर्जी काम दिखाकर धन निकासी बाबत शिकायत की गयी है जिसकी खबर प्रकाशित होने के बाद अब ब्लाक अधिकारी व प्रधान उक्त मजदूर को फुसलाकर घिघियाते नजर आ रहे है कि कुछ ले देकर निपटा लो। आपको बता दे कि विकास खण्ड कदौरा की अधिकांश ग्राम पंचायतों में नरेगा से होने वाले कार्य कभी आंशिक मजदूर तो कभी मशीनों से कराए जाते है और कभी कच्चे कार्य कराए ही नही जाते और कागजों में बंधा समतलीकरण जैसे कार्य दिखा कर ग्राम पंचायतों में सैकड़ो की तादात में बने निष्क्रिय जॉब कार्डो में फर्जी रूप से काम दिखाकर बड़े पैमाने पर लगातार धन निकासी कर ब्लाक अधिकारी कर्मचारी आपस मे उक्त सरकारी धन का बंदर बांट कर ली जाती है। वर्तमान प्रधानी की शुरुवात को अभी ज्यादा समय नही हुआ लेकिन ग्राम पंचायतों में इन जॉब कार्डो को बिना काम के फर्जी तरीके से भरकर बिना काम करने वालो के खाते में रुपये डालकर खाताधारक को 30 परसेंट देकर 70 परसेंट रोजगार सेवक से लेकर ब्लाक अधिकारियों में बंदरबांट हो जाता है। कुछ ऐसा ही पाली ग्राम पंचायत में भी शिकायत कर्ता गोरेलाल द्वारा बताया गया कि उसके परिवार में कोई भी नरेगा में उसकी पत्नी सुमन व पिता रामरतन 90 वर्ष सभी के डबल डबल जॉब कार्ड फर्जी तरीके से बने हुए है एव उनमें सालों साल लगातार काम दिखाया गया है एव मजदूरी किन्हीं अन्य खातों में डलवाकर धन निकासी की जा चुकी है जिसका विरोध करते हुए पीड़ित द्वारा शिकायत की गयी एव अखबार प्रकाशन होने के बाद उक्त मजदूर परिवार को ले देकर निपटाने की कवायद जारी है।

कदौरा सीएचसी निरीक्षण में पहुंची अपर निदेशक ने डोर टू डोर सर्वे का लिया जायजा

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन 12। सीएचसी में अपर निदेशक द्वारा निरीक्षण करते हुए कोविड 19 सर्व लेंस एव संचारी रोग का भौतिक सत्यापन किया गया जिन्होंने सीएचसी समेत समीप बबीना ग्राम में जाकर डोर टू डोर सर्वे का भी जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए वही अन्य ग्राम में निकले डेंगू मरीज के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। ज्ञातव्य हो कि कदौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को अपर निदेशक डॉ अल्पना बरतारिया द्वारा सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओ का निरीक्षण किया गया इसके बाद ग्राम बबीना में कोविड 19 व संचारी रोग के तहत डोर टू डोर सर्वे कार्य भी जायजा लिया गया ।वही क्षेत्र के ग्राम बारा में निकले डेंगू मरीज को लेकर भी पूंछतांछ की गयी जिसमे डॉ अशोक चक द्वारा बताया गया कि उक्त ग्राम पंचायत में टीम द्वारा सर्वे कर दवा वितरण करवाई गई है। प्रेस वार्ता में डॉ अल्पना

बरतरिया द्वारा बताया गया कि कोविड 19 व संचारी रोग के तहत स्वास्थ्य टीम द्वारा प्रत्येक गांव में डोर टू डोर सर्वे कार्य जारी है जिसमे कोई भी बीमार सर्दी खांसी बुखार जुखाम आदि रोग से ग्रसित व्यक्ति की सूचना नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में देकर उचित उपचार कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए ।साथ ही ग्रामीणांचल में लोग साफ सफाई रखे व किसी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या को लेकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र व आशाओं को सूचना देकर जांच उपचार अवश्य ले ।मौके पर चिकित्साधीकारी डॉ अशोक चक सहित स्टाफ विनोद कुमार जमील बाबू गोविंद शर्मा व आशाएं मौजूद रही।

जिला संवाददाता को दी जान से मारने की धमकी

अवध की आवाज

उरई (जालौन)। सोमवार के सुबह के वक्त पत्रकारिता करने जा रहे समाचार पत्र के ब्यूरो चीफइ मोनू शर्मा को दबंग लोगो ने दी जान से मारने की धमकी दी। कहा कि अगर आज के बाद खबरे छापी प्रकाशित की तो जान से हाथ धो बैठोगे । जानकारी के अनुसार माधौगढ़ कस्बा निवासी पत्रकार मोनू शर्मा ने बताया कि मैं सुबह के समय समाचार संकलन करने जा रहा था तो कस्बा माधौगढ़ के ही कमलेश शिवहरे चाय पानी की दुकान किये हुए हैं । उसी दुकान पर अवधेश मिश्रा बसपा नेता व कल्लू नगाइच बैठे हुए थे । जैसे ही मैं निकला तो मुझे रोक कर कहने लगे कि

तू ज्यादा पत्रकार बना फिरता है मेरी सरकार आने दे फिर बताऊंगा। तुझे पत्रकारिता कैसे की जाती है बताऊंगाऔर अपशब्द भाषा का प्रयोग कर गालिया दी और कहा कि तेरा एनकाउंटर करा दूंगा। इसके बाद मारपीट के लिए उतारू हो गए । इसके बाद मैंने थानाध्यक्ष माधौगढ़ प्रवीण कुमार को फोन पर सारी गाथा सुनाई तो उन्होंने आश्वासन दिया कि मैं अभी बाहर हूँ। साथ ही पीड़ित पत्रकार मोनू शर्मा ने बताया कि मेरे साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसके जिम्मेदार ये तीन लोग होंगे। अगर इस तरह पत्रकारों को धमकियां मिलने लगे तो आमजन का क्या होगा। पत्रकार लोगो की पीड़ा को सुनकर उसे दिखाता हैं तो उसे जान से मारने की धमकियां मिलती हैं । पीड़ित पत्रकार ने थानाध्यक्ष से गुहार लगायी कि उक्त दबंग लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही करने की कृपा करें। पीड़ित का मो नंबर 6307012368

छोटे भाई समान प्रमोद पासी जी को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा के जिला महामंत्री बनाए जाने पर ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं अवध की आवाज ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा

उन्नाव। अवध की आवाज कार्यालय गहरा में आज एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिला संवाददाता दीपक शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमे संस्था के विस्तार हेतु कई अहम निर्णय लिए गए एवम् कई महत्वपूर्ण नियमों को लागू एवम् उस पर विस्तृत चर्चा की गई जिसमे मुख्य रूप से जिला ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा इरशाद अहमद योगेश द्विवेदी मनोज गुप्ता विकास श्रीवास्तव प्रमोद रावत हिमांशु शुक्ला प्रेम सिंह पारस राहुल गुप्ता अनिल निषाद शशिकांत गुप्ता शिवम शुक्ला अजय श्रीवास्तव इरशाद अहमद सोनू मिश्रा गुड्डू सिंह आशीष सिंह धीरज विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे' तेजतर्रार शुक्लागंज के अंदर अपनी पहचान बनाने वाले बिलाल भाई एवं अजय श्रीवास्तव जी उत्तर प्रदेश समय के ब्यूरो चीफ एवं क्राइम संवाददाता शिवम शुक्ला जी गोविंद वाजपेई जी अपनी पूरी टीम के साथ सभी पत्रकार बंधुओं से कंधे से कंधा मिलाकर चलने की अपील की अवधा की आवाज के ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा के द्वारा कोविड–19 बारे में भी सरकार के गाइडलाइन के हिसाब से सतर्कता से हमारे पत्रकार बंधुओं को खबर कवरेज करनी है विशेष रुप से वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पासी भी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

अब कृषि में लाभदायक परिदृश्य

–डा. जयंतीलाल भंडारी–

यकीनन इस समय सरकार के द्वारा कृषि क्षेत्र के विकास के लिए एक के बाद एक जो पहल की जा रही है, उससे कृषि में लाभदायक परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। हाल ही में 6 और 7 सितंबर को किसानों व कृषि क्षेत्र के दीर्घकालीन समग्र विकास के लिए आयोजित मुख्यमंत्रियों और कृषि मंत्रियों की महत्त्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि डिजिटल एग्रीकल्चर, कृषि अवसंरचना फंड (एआईएफ), दलहन–तिलहन–पाम आयल मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) स्कीम, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) व इसके माध्यम से किसानों को ऋण सुविधा तथा कृषि निर्यात को प्रोत्साहन जैसे प्रयासों से कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि क्षेत्र की कमजोर कड़ियों की पहचान के साथ खेती की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत बनाने और कृषि में रोजगार की नई संभावनाओं के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा जाएगा। निश्चित रूप से यदि कृषि को और अधिक मजबूत बनाने के प्रयास किए जाएं तथा इस क्षेत्र की चुनौतियों का उपयुक्त समाधान किया जाए तो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का योगदान और तेजी से बढ़ता हुआ दिखाई दे सकता है। गौरतलब है कि विगत 31 अगस्त को सरकार के द्वारा जारी किए गए चालू वित्तीय वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20.1 फीसदी की रिकॉर्ड वशद्धि दर्ज की गई है। कृषि ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र पाया गया है, जिसमें तीन वर्षों की पहली तिमाहियों में लगातार विकास दर बढ़ी है।

जहां कृषि में चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में 4.5 प्रतिशत की मजबूत वशद्धि दर्ज की गई है। वहीं पिछले वर्ष 2020–21 की पहली तिमाही में इस क्षेत्र में 3.5 प्रतिशत वशद्धि हुई थी तथा 2019–20 की समान अवधि में 3.3 फीसदी की वशद्धि हुई थी। इस समय देश के कृषि क्षेत्र में लगातार जीडीपी बढने के लिए कृषि क्षेत्र की तीन बड़ी अनुकूलताएं महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रही हैं। एक, बढ़ता खाद्यान्न उत्पादन और बढ़ता कृषि निर्यात। दो, देश के छोटे किसानों को मजबूत बनाने के प्रयास। तीन, दलहन और तिलहन उत्पादन को तेजी से बढ़ाने के नए प्रोत्साहन। निःसंदेह इस समय कृषि क्षेत्र की जीडीपी के लगातार बढने का कारण किसानों के अथक परिश्रम, वैज्ञानिकों की कुशलता और भारत सरकार की कृषि एवं किसान हितैषी नीतियां हैं। इन्हीं के कारण देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन एवं खाद्यान्न निर्यात के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। वर्ष 2020–21 में खाद्यान्न उत्पादन करीब 30.86 करोड़ टन की रिकॉर्ड ऊंचाई पर दिखाई दे रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.11 करोड़ टन अधिक है। भारत विश्व स्तर पर कई कृषि और संबंधित उत्पादों का प्रमुख उत्पादक देश है। देश में दलहन और तिलहन उत्पादन के लिए विभिन्न प्रोत्साहनों से छोटे किसानों ने इसकी उपज को भी बढ़ाया है। वर्ष 2020–21 के दौरान देश में कुल तिलहन उत्पादन रिकॉर्ड 36.10 मिलियन टन अनुमानित है, जो वर्ष 2019–20 के उत्पादन की तुलना में 2.88 मिलियन टन अधिक है। इसी तरह वर्ष 2020–21 में दालों का उत्पादन 2 करोड़ 57 लाख टन रह सकता है।

यह पिछले साल के मुकाबले करीब 36 लाख टन ज्यादा है। हाल ही के वर्षों में जिस तरह छोटे किसानों को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहन दिए गए, उससे भी कृषि के क्षेत्र में जीडीपी बढ़ी है। कृषि मंत्री तोमर के मुताबिक फसल बीमा योजना में सुधार, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को डेढ़ गुना करने, किसान क्रेडिट कार्ड से सस्ते दर से बैंक से कर्ज मिलने की व्यवस्था, एक लाख करोड़ रुपए का एग्रीकल्वर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, सोलर पावर से जुड़ी योजनाएं खेत तक पहुंचाने, 10 हजार नए किसान उत्पादन संगठन, देश के 70 से ज्यादा रेल रूटों पर किसान रेल के माध्यम से छोटे किसानों के कृषि उत्पाद कम ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे पर देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंचना तथा छोटे किसानों को अच्छा बाजार मिलने से उनकी उपज का अच्छा मूल्य मिलने से जीडीपी में वशद्धि हुई है। इस समय अनेक कृषि उत्पाद दुनिया के विभिन्न देशों में भेजे जा रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि मोदी सरकार से पहले सालाना कृषि बजट लगभग 22 हजार करोड़ रुपए का होता था, वहीं वर्ष 2021–22 में इसे लगभग 5.5 गुना बढ़ाकर 1.23 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। ऐसे कदमों से छोटे किसानों की ताकत बढ़ रही है।

यद्यपि चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में कृषि क्षेत्र में जीडीपी वशद्धि दर बेहतर रही है। लेकिन अन्य तिमाहियों में कृषि विकास दर के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों को ध्यान में रखकर उनके निराकरण के कदम उठाने होंगे। खरीफ की उपयुक्त फसल पाने के लिए मॉनसून तथा बुआई के तरीके पर नजर रखे जाने की जरूरत है। यद्यपि देश गेहूं, चावल और चीनी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर है। लेकिन अब देश में दलहन और तिलहन उत्पादन तेजी से बढ़ाने की जरूरत है। इस दलहन और तिलहन उत्पादन के लिए और अधिक प्रोत्साहन जरूरी हैं। खाद्य तेल के आयात को कम करने और खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता हेतु घोषित किए गए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन को सफल बनाना जरूरी है। ज्ञात हो कि विगत 18 अगस्त को सरकार ने पाम के तेल के लिए 11040 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय के साथ राष्ट्रीय खाद्य तेल/पाम ऑयल मिशन (एनएमईओ–ओपी) की मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य देश में ही खाद्य तेलों के उत्पादन में तेजी लाना और इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। चूंकि खाद्य तेलों का घरेलू उत्पादन जरूरत की पूर्ति के लिए केवल 30 फीसदी है। इसलिए यह अपर्याप्त तिलहन उत्पादन बाजार में खाद्य तेल के मूल्य को नियंत्रित नहीं कर पाता। परिणामस्वरूप खाद्य तेल का अंतरराष्ट्रीय बाजार देश में खाद्य तेल के दाम को प्रभावित करता है।

खाद्य तेल के अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में बदलाव का असर खाद्य तेल की घरेलू कीमत पर तेजी से पड़ता है। इस वर्ष 2021 में खाद्य तेल के घरेलू बाजार पर वैश्विक खाद्य तेल बाजार की बढ़ी हुई कीमतों का काफी अधिक असर गिरते हुए दिखाई दे रहा है। स्थिति यह है कि कृषि प्रधान देश होने के बावजूद भारत को सालाना करीब 65000 से 70000 करोड़ रुपए का खाद्य तेल आयात करना पड़ रहा है। भारत खाद्य तेलों का आयात करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश बन गया है। इसी सिलसिले में केंद्र सरकार का बीज मिनी किट कार्यक्रम दलहन व तिलहन की नई किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की आपूर्ति करके बीज प्रतिस्थापन अनुपात को बढ़ाने के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम है। हम उम्मीद करें कि 6 और 7 सितंबर को केंद्र सरकार और राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच कृषि क्षेत्र के विकास के लिए जो निर्णय लिए गए हैं, उनके उपयुक्त क्रियान्वयन से देश के कृषि क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को नई गति मिलेगी। हम उम्मीद करें कि देश में चालू वित्त वर्ष 2021–22 की आगामी तीन तिमाहियों में कृषि विकास दर और अधिक बढ़ाने के लिए सरकार के द्वारा छोटे किसान, कृषि विकास और खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की जो योजनाएं लागू की हैं, उनके पूर्ण और कारगर क्रियान्वयन पर अधिकतम प्राथमिकता से ध्यान दिया जाएगा। इससे खाद्यान्न उत्पादन और निर्यात अधिक ऊंचाई पर पहुंचेगा। इससे किसानों की आमदनी व ग्रामीण रोजगार में वशद्धि होने से ग्रामीण क्षेत्र की समशद्धि में भी वशद्धि होगी। परिणामस्वरूप कृषि क्षेत्र की जीडीपी चमकीली होते हुए दिखाई दे सकेगी।

जीवन प्रत्याशा पर वायु प्रदूषण की काली छाया

–योगेश कुमार गोयल–

'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक' (एक्यूएलआई) की पिछले दिनों जारी रिपोर्ट में दावा करते हुए कहा गया है कि वायु प्रदूषण तरह–तरह की बीमारियां पैदा करने के अलावा लोगों की आयु भी घटा रहा है अर्थात् इसका सीधा प्रभाव जीवन प्रत्याशा पर पड़ रहा है। भारत के संदर्भ में इस रिपोर्ट में कई सनसनीखेज तथ्य उजागर किए गए हैं। एक्यूएलआई एक ऐसा सूचकांक है, जो जीवन प्रत्याशा पर वायु प्रदूषण के प्रभाव की गणना करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वायु प्रदूषण के अनुमानित प्रभावों की तीव्रता सम्पूर्ण उत्तर भारत में बहुत ज्यादा है, जहां वायु प्रदूषण का स्तर दुनियाभर में सबसे ज्यादा खतरनाक है। एक्यूएलआई रिपोर्ट के अनुसार यदि वर्ष 2019 जैसा वायु प्रदूषण संघनन जारी रहा तो दिल्ली, मुम्बई और कोलकाता जैसे सर्वाधिक प्रदूषित महानगरों में रहने वाले लोग अपनी जिंदगी के नौ से ज्यादा वर्ष खो देंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में करीब 48 करोड़ लोग गंगा के मैदानी क्षेत्र में रहते हैं, जहां प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा है और यह प्रदूषण अब गंगा के मैदानों से आगे मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र जैसे राज्यों तक फैल गया है, जहां खराब वायु गुणवत्ता के कारण लोग 2.5 से 2.9 वर्ष की जीवन प्रत्याशा खो सकते हैं।

हाल ही में बेल्जियम में हुए एक अध्ययन में शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर भी पहुंचे हैं कि सामान्य वायु प्रदूषकों से भी हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। प्रमुख शोधकर्ता सैन मैटेओ फाउंडेशन के डा. फ्रांसेस्का आर जेंटाइल के अनुसार सात सामान्य प्रदूषकों का अध्ययन करने पर पाया गया कि इनके कारण हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ा। इस अध्ययन में रोजमर्रा के प्रदूषकों की सांद्रता तथा अस्पताल के बाहर देखे गए कार्डियाक अरेस्ट के मामलों के बीच संबंधों की पहचान की गई। दरअसल वायु प्रदूषण का प्रभाव मानव शरीर पर निरन्तर घातक होता जा रहा है। वर्ष 1990 तक जहां 60 फीसदी बीमारियों की हिस्सेदारी संक्रामक रोग, मातृ तथा नवजात रोग या पोषण की कमी से होने वाले रोगों की होती थी, वहीं अब हृदय तथा सांस की गंभीर बीमारियों के अलावा भी बहुत सी बीमारियां वायु प्रदूषण के कारण ही पनपती हैं। सिर के बालों से लेकर पैरों के नाखून तक अब वायु प्रदूषण की जद में होते हैं। भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार भयावह हो रही है। अमेरिका की शिकागो यूनिवर्सिटी के 'द एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट' के शोधकर्ता भी एक अध्ययन के बाद खुलासा कर चुके हैं कि वायु प्रदूषण के ही कारण भारत में लोगों की औसत आयु कम हो रही है।

विभिन्न अध्ययनों के अनुसार भारत की कुल 1.4 अरब आबादी का बड़ा हिस्सा ऐसी जगहों पर रहता है, जहां पार्टिकुलेट प्रदूषण का औसत स्तर डब्ल्यूएचओ के मानकों से ज्यादा है। 84 फीसदी व्यक्ति ऐसी जगहों पर रहते हैं, जहां प्रदूषण का स्तर भारत द्वारा तय मानकों से अधिक है। भारत की एक चौथाई आबादी बेहद प्रदूषित वायु में जीने को मजबूर है और यदि प्रदूषण का स्तर बरकरार रहता है तो उत्तर भारत में करीब 25 करोड़ लोगों की आयु में आठ साल से ज्यादा की कमी आ सकती है। उत्तर भारत दक्षिण एशिया में सर्वाधिक प्रदूषित हिस्से के रूप में उभर रहा है, जहां पार्टिकुलेट प्रदूषण पिछले 20 वर्षों में 42 फीसदी बढ़ा है और जीवन प्रत्याशा घटकर 8 वर्ष हो गई है। हालांकि भारत 'नेशनल क्लीन एयर' कार्यक्रम के तहत वर्ष 2024 तक पार्टिकुलेट प्रदूषण को 20–30 फीसदी तक घटाने के लिए प्रयासरत है लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि भारत अपने उद्देश्य में सफल नहीं हुआ तो इसके गंभीर दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। यदि भारत अगले कुछ वर्षों में प्रदूषण का स्तर 25 फीसदी भी घटा लेता है तो राष्ट्रीय जीवन प्रत्याशा 1.6 वर्ष और दिल्लीवालों की 3.1 वर्ष बढ़ जाएगी।

पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत संस्था 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' द्वारा गत वर्ष कहा गया था कि वायु प्रदूषण से होने वाली घातक बीमारियों के कारण देश में जीवन प्रत्याशा औसतन 2.6 वर्ष घट गई है। सीएसई की उस रिपोर्ट के अनुसार बाहरी पीएम 2.5, ओजोन तथा घर के अंदर का वायु प्रदूषण इस स्थिति के लिए सामूहिक रूप से जिम्मेदार साबित हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में आज जन्म लेने वाला कोई भी बच्चा वायु प्रदूषण नहीं होने की तुलना में औसतन 20 माह पहले ही जबकि भारत में जन्मा बच्चा अपेक्षा से 2.6 साल पहले ही दुनिया से चला जाएगा। सीएसई का कहना है कि घर से बाहर का और घर के भीतर दोनों ही जगहों पर वायु प्रदूषण जानलेवा बीमारियों को न्यौता दे रहा है, जो भारत में स्वास्थ्य संबंधी सभी खतरों में मौत का अब तीसरा सबसे बड़ा कारण हो गया है।

आईसीएमआर की एक रिपोर्ट में भी कहा जा चुका है कि वायु प्रदूषण के कारण भारत में औसत आयु घट रही है। कुछ समय पूर्व बोस्टन के 'हैल्थ इफैक्ट इंस्टीच्यूट' तथा 'हैल्थ मैट्रिक्स एंड एवल्यूशन' की प्रदूषण के मनुष्यों की आयु पर पड़ने वाले अच्छे–बुरे प्रभावों को लेकर किए गए अध्ययन की रिपोर्ट भी सामने आई थी, जिसमें कहा गया था कि भारत सहित सभी एशियाई देशों में वायु में घुलनशील प्रदूषणकारी तत्वों पीएम 2.5 की मात्रा निरन्तर बढ़ रही है। अध्ययनकर्ताओं का कहना था कि पीएम 2.5 का स्तर भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा अफ्रीकी देशों में डब्ल्यूएचओ के मानकों से बहुत ज्यादा है, जिस कारण दुनियाभर के प्रत्येक क्षेत्र में जीवन प्रत्याशा में कमी आ रही है।

'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार निर्माण कार्यों और ध्वस्तीकरण से निकलने वाले रेत–धूल, सीमेंट के कण तथा सड़कों पर उड़ने वाली धूल वायु प्रदूषण का बड़ा कारण हैं, जिसमें वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन दिल्ली में तो करीब 40 फीसदी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार होता है। ऑटोमोबाइल उत्सर्जन, खाना पकाने का धुआं, जंगल की आग, लकड़ी के जलने वाले स्टोव, उद्योगों का धुआं इत्यादि भी वायु प्रदूषण के स्रोत हैं।

नेशनल हैल्थ प्रोफाइल 2018 की रिपोर्ट के अनुसार देश में होने वाली संक्रामक बीमारियों में सांस संबंधी बीमारियों का प्रतिशत करीब 69 फीसदी है और देशभर में 23 फीसदी से भी ज्यादा मौतें अब वायु प्रदूषण के कारण ही होती हैं। पिछले दो दशकों में देशभर में वायु में प्रदूषक कणों की मात्रा में करीब 69 फीसदी तक की वशद्धि हुई है और जीवन प्रत्याशा सूचकांक, जो 1998 में 2.2 वर्ष कम था, उसके मुकाबले अब एक्यूएलआई की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 5.6 वर्ष तक कमी आई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि वायु की गुणवत्ता में सुधार करके इस स्थिति को और बिगड़ने से बचाया जा सकता है।

शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के निदेशक और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर माइकल ग्रीनस्टोन का कहना है कि वायु प्रदूषण पर अब गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है ताकि करोड़ों–अरबों लोगों को अधिक समय तक स्वस्थ जीवन जीने का हक मिल सके। एक्यूएलआई के निदेशक केन ली कहते हैं कि जीवाश्म ईंधन संचालित वायु प्रदूषण आज एक वैश्विक समस्या है और वायु प्रदूषण से मुक्ति पूरी दुनिया को औसत आयु में दो वर्ष जबकि सर्वाधिक प्रदूषित देशों को पांच साल बढ़त दिला सकती है। ली के मुताबिक अगर भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल वायु गुणवत्ता को विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुरूप बनाने में सफल हो जाएं तो यहां के लोगों की औसत आयु 5.6 वर्ष बढ़ जाएगी अन्यथा उम्र इतनी ही घट जाएगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

इतिहास के प्रश्नों पर आत्म विवेचना का समय

–हृदयनारायण दीक्षित–

भारत एक सतत् उत्सव है। दिव्य अनुभूति, यथार्थ प्रतीति। सो आनन्ददायी महोत्सव। संप्रति भारत ब्रिटिश सत्ता से स्वतंत्र होने के 75 वर्ष का अमशत महोत्सव मना रहा है। यह 75 वर्ष महत्वपूर्ण है। स्वाधीनता प्राप्ति के पहले का इतिहास पौरुष पराक्रम स्मरणीय है। इसके बीज भारत की सनातन संस्कृति में है। पूर्वजों ने इस बीज का सतत् पोषण किया है। बीज से पौध और पौध से फल तक श्रम कौशल वरेण्य है। इसी पौरूष पराक्रम का अमशतफल है स्वाधीनता।

भारत आनन्द क्षेत्र है लेकिन यहां एक के बाद एक विदेशी आक्रमण होते रहे। कुछेक विद्वतजन प्रश्न करते रहे हैं कि भारत बार–बार पराधीन क्यों हो जाता है। यूरोप और यूरोपीय विचार के समर्थक कहते रहे कि भारत के लोग स्वतंत्रप्रिय नहीं हैं, इसलिए विदेशी हमलों के सामने पराजित होते रहे हैं। लेकिन यह धारणा सही नहीं है। बंकिमचन्द्र ने भी इस धारणा का प्रतिकार किया है। उनका प्रश्न है कि अंग्रेजों ने भारत पर अपना राज्य कैसे कायम किया। भारतवासियों के एक वर्ग ने अंग्रेजों की मदद की, अंग्रेजों की देशी सेना में भारतवासी भी थे। यहां होने वाले सभी विदेशी हमलों के प्रतिरोध का भी इतिहास है। अमशत महोत्सव इतिहास के प्रश्नों पर आत्म विवेचना का समय है।

यूरोपीय दृष्टिकोण वाले इतिहास लेखकों ने भारतीय जनता की स्वतंत्रप्रिय होने की अभिलाषा की भी उपेक्षा की है। सही बात यह है कि भारत ने प्रत्येक आक्रमण का प्रतिकार किया। ग्रीक लोग शत्द्ररुह का अतिक्रमण करने में सफल नहीं हुए। चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा इन्हें भारत भूमि से खदेड़ा गया था। सिकन्दर ने अनेक देश जीते थे, लेकिन यूनानी लेखकों ने भारतीय पराक्रम की प्रशंसा की है। अरबों, तुर्कों और पठानों के हमलों के बाद लगभग 600 वर्ष की स्वाधीनता प्रश्नवाचक रही। 15वीं सदी तक आर्यों ने सभी आक्रमणकारियों का लगातार मुकाबला किया। यह आत्म गौरव का तथ्य है। ऐसे दीर्घकालीन जनप्रतिरोधों की ओर भी ध्यान देना चाहिए।

बंकिमचन्द्र ने लिखा है, 'अरब लोग एक प्रकार के दिग्विजयी रहे। जिस देश पर उन्होंने आक्रमण किया, उस देश पर तत्काल विजय प्राप्त की। वे केवल दो देशों से पराजित होकर वापस लौटे हैं–पश्चिम में फ्रांस से और पूर्व में भारतवर्ष से। मोहम्मद की मश्त्यु के 6 वर्षों के भीतर उन्होंने मिस्र और सीरिया को, 10 वर्षों के भीतर परसिया (अर्थात् ईरान), को एक वर्ष के भीतर, अफ्रीका और स्पेन को, 80 वर्षों के भीतर काबुल को, 8 वर्षों के भीतर तुर्किस्तान को सम्पूर्ण रूप से अधिकृत कर लिया था। लेकिन 300 वर्षों तक भरत विजय के लिए यत्न करने के बावजूद वे भारत को हस्तगत नहीं कर पाये। मोहम्मद बिन कासिम ने सिन्ध को अधिकृत अवश्य किया था लेकिन राजपूतों के हाथों पराजित होकर वह खदेड़ दिया गया था और उसकी मश्त्यु के कुछ ही दिन बाद सिन्ध पर राजपूतों ने पुनः अपना अधिकार जमा लिया था। अरबों द्वारा भारत विजय संभव न हुई थी।' यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का विषय है।

भारत को एक राष्ट्र न मानने वाले कहते रहे कि भारत को अंग्रेजों ने राष्ट्र बनाया। सच यह है कि भारत दुनिया का प्राचीनतम राष्ट्र है। अथर्ववेद (12.1.45) में तत्कालीन समाज व राष्ट्र का सुंदर वर्णन है, "अनेक आस्थाओं व भाषाओं वाले लोग एक परिवार की तरह यहां रहते हैं।" महाभारत (भीष्म पर्व) में कहते हैं, "भारत में आर्य, किरात सिद्ध, वैदेह, ताम्र लिप्तक म्लेच्छ, द्रविण केरल मूषिक वनवासिक आदि रहते हैं। वे विशाल गंगा सिंधु सरस्वती नदियों का जल पीते हैं।" यहां जनसमूहों के नाम अलग हैं। लेकिन अन्न जल एक है। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने 'भारतीय नवजागरण और यूरोप' में लिखा है– 'अथर्ववेद और महाभारत में अनेक जातियों के राष्ट्र का जैसा वर्णन है, वैसा अन्यत्र नहीं है। इसलिए राष्ट्र निर्माण के लिए भारत को विश्व का मार्गदर्शक मानना चाहिए।" यहां प्रकृति के प्रपंचों के प्रति अतिरिक्त जिज्ञासा थी। सो विविध आयामी दर्शन का जन्म हुआ।

भारत सनातन है। सदा से है। दुनिया के अन्य देशों को राष्ट्र राज्य कहने का चलन यूरोप के पुनर्जागरणकाल में हुआ। लेकिन भारत हजारों साल प्राचीन अनुभूति है। यहां राष्ट्र की अनुभूति ऋग्वेद के रचनाकाल से भी पुरानी है। 1942 का आन्दोलन ब्रिटिश सत्ता के लिए बड़ी चुनौती बना था। इसके पूर्व गांधी जी के नेतशत्व में लगातार अन अभियान चले थे। अन्य तमाम संगठन भी सक्रिय थे। 1920–30 के मध्य तमाम क्रांतिकारी गतिविधियां थी। भारत का वातावरण अग्नि धर्मा था। भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद आदि का पराक्रम स्तुत्य है और नेताजी सुभाष चन्द्र का भी। लाखो लोग प्राणों की आहुति देने के लिए तत्पर थे। भारत स्वाधीन हुआ। कुछ विदेशी विद्वान 1857 के स्वाधीनता संग्राम को सिपाहीवार कहते रहे हैं। 1857 का संग्राम भारतीय इतिहास का स्मणीय अध्याय है। जनरल हे मैक्डोवल ने 1857 के संग्राम के पहले भारतीय जनता की मनोदशा के बारे में लिखा था कि "विदेशी आक्रमण और आंतरिक विद्रोह से ब्रिटिश साम्राज्य का विनाश आम जनता की बातचीत का चर्चित विषय है।" तमाम अंग्रेज विद्वानों ने उस समय की स्वाधीनता की मनोदशा का विवरण दिया है। 1855–56 में संथालों का विद्रोह राष्ट्रव्यापी चर्चा में आया था। 1820 में विद्रोह हुआ था, 1839 में कोली लोगों ने विद्रोह किया। अवध मे वजीर अली का विद्रोह हुआ था। इस तरह 1857 का स्वाधीनता संग्राम भारत के मन में स्वाधीनता की अलख जगाने में कामयाब हुआ।

भारत प्राचीन काल से ही स्वतंत्रता प्रिय है। यहां प्राचीन काल से ही दर्शन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण साथ साथ विकसित हुए हैं। भारत ने किसी देश पर आक्रमण नहीं किया। अजेय राष्ट्र हमारा प्रिय है। आजादी का अमशत महोत्सव आनंददाता है। भारत का मन सांस्कृतिक है। विवेकानन्द ने भारतीय दर्शन को सारी दुनिया में पहुंचाया था। दयानन्द लोक जागरण में लगे थे। प्राचीन साहित्य में उपनिषद दर्शन की अपनी भूमिका रही है। महाकाव्य काल में महाभारत और रामायण में भारत का मन गढ़ा। कंबन सुब्रम्ण्य भारती आदि दक्षिण भारतीय विद्वानों ने सांस्कृतिक तत्व को मजबूत किया था।

भारत सांस्कृतिक राष्ट्र है। भक्ति आंदोलन भी निराशा से आशा में ले जाने वाला सांस्कृतिक कर्म था। अमशत महोत्सव के अवसर पर बहुत कुछ गर्व करने लायक है। दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। दर्शन और ज्ञान विज्ञान में भी उपलब्धियां है। जीवन के सभी आयामों में भी भारत की प्रतिष्ठा है। योग और ऋग्वेद को यूनेस्को ने मान्यता दी है। गरीबी से निर्णायक संघर्ष है। हम सबको भारत के दीर्घकालिक इतिहास पर ध्यान देना चाहिए। इतिहास बोध जरूरी है। यह इतिहास बोध ही भारत को प्रत्येक स्तर पर अपराजय और रिद्धि सिद्धि से परिपूर्ण राष्ट्र बना सकता है। आत्म चिंतन समय का आह्वान है। सचेत जागरण से भारत प्रसादपूर्ण होगा।

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं।)

आरएसएस की सोच तालिबानी है या इस तरह की बात करने वाले अज्ञानी हैं?

दृनीरज कुमार दुबे–

देश में एक चलन बन गया है कि जब भी तथाकथित बुद्धिजीवियों या राजनीतिक दलों के नेताओं को लगे कि मीडिया की सुर्खियों में आना है या अपने नेतशत्व की नजर में जगह बनानी है तो सबसे आसान काम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला बोल दो। दुनिया के सबसे अनुशासित और देशभक्त संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना कभी राहुल गांधी अरब जगत के इस्लामी संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड से करते हैं तो कभी जावेद अख्तर जैसे कथित बुद्धिजीवी संघ की सोच और विचारधारा पर सवाल उठाते हुए उसको तालिबानी करार देते हैं। कभी आजादी के आंदोलन में संघ के योगदान पर सवाल उठाये जाते हैं तो कभी आरएसएस की विचारधारा पर हमला बोला जाता है। लेकिन इन सब हमलों से बेपरवाह संघ राष्ट्र निर्माण, व्यक्ति निर्माण के कार्यों में सतत लगा हुआ है। आलोचनाएं या हमले संघ कार्य को ना कभी प्रभावित कर पाये ना कर पायेंगे क्योंकि संघ किसी सरकार या पार्टी से मिलने वाली मदद पर नहीं आत्मनिर्भर है। जो लोग भारत में संघ के कार्यों को लेकर शंका जाहिर करते हैं उन्हें पता होना चाहिए कि संघ के आनुषांगिक संगठन दुनिया के कोने–कोने में फैले हैं और मानव सेवा के कार्य कर रहे हैं।

क्या कहा जावेद अख्तर ने?

जहां तक संघ पर हालिया हमले की बात है तो गीतकार जावेद अख्तर ने आरएसएस की तुलना तालिबान से करते हुए कहा है कि संघ परिवार और उसके आनुषांगिक संगठनों– विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल का भी उद्देश्य वही है जो तालिबान का है। अंग्रेजी समाचार चौनल एनडीटीवी से बातचीत में जावेद अख्तर ने दावा किया कि भारतीय संविधान आरएसएस के लक्ष्य की राह में आड़े आ रहा है लेकिन अगर मौका मिला तो यह लोग उस सीमा को पार कर जाएंगे। जावेद अख्तर का यह बयान निजी खुन्नस का एक स्वरूप ही प्रतीत होता है क्योंकि उनके कथन से स्पष्ट है कि पढ़ने–लिखने की आदत होने के बावजूद उन्होंने ना तो कभी संघ के बारे में पढ़ा है, ना ही आरएसएस नेताओं के विचार सुने हैं और ना ही कभी एक सामान्य स्वयंसेवक तक से बातचीत की है।

हिंदू राष्ट्र की अवधारणा क्या है?

जावेद अख्तर अगर यह कह रहे है कि आरएसएस भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता है तो उनकी समझ पर तरस आता है। दरअसल आरएसएस की हिंदू राष्ट्र संबंधी सोच को जो लोग ठीक से समझ नहीं पाते वही इस तरह की बचकाना टिप्पणी करते हैं। आरएसएस का मानना है कि राष्ट्र के वैभव और शांति के लिए काम कर रहे सभी भारतीय हिंदू हैं। जिन लोगों की भावना राष्ट्रवादी है और जो लोग भारत की संस्कृति तथा विरासत का सम्मान करते हैं वो सभी हिंदू हैं। आरएसएस का मानना है कि सभी भारतीयों का डीएनए एक है चाहे वह किसी भी धर्म के हों। देखा जाये तो आरएसएस देश के सभी 135 करोड़ लोगों को हिंदू मानता है और जब भारत में सभी हिंदू हैं तो यह हिंदू राष्ट्र अपने आप ही हो गया। इसमें यह बात कहां से आई कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की साजिश चल रही है। साफ है कि ऐसी बातें सिर्फ भ्रम और डर का माहौल पैदा करने की मंशा रखने वाले लोग ही कहते हैं। हिंदुस्तान प्रथम, हिंदुस्तानी प्रथम के सिद्धांत पर कार्य करने वाले आरएसएस पर जो लोग समाज को बांटने का आरोप लगाते हैं उन्हें पता होना चाहिए कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बार–बार कहा है कि जो लोग मुसलमानों को देश छोड़ने के लिए बोलते हैं वह हिंदू नहीं हो सकते। संघ प्रमुख ने यह भी कई बार कहा है कि लोगों में इस आधार पर अंतर नहीं किया जा सकता कि उनके पूजा करने का तरीका क्या है। संघ के लिए भारतीय संविधान सर्वोच्च है और इसे वह पवित्र ग्रंथ के रूप में देखता है।

संघ के बारे में किये जाने वाले दुष्प्रचार

संघ के बारे में अनेकों प्रकार के दुष्प्रचार किये जाते हैं, जैसे जावेद अख्तर या राहुल गांधी आदि को सिर्फ विश्व हिन्दू परिषद या बजरंग दल ही क्यों दिखते हैं, संघ के आनुषांगिक संगठनों में तो मुस्लिम राष्ट्रीय मंच और राष्ट्रीय सिख संगत भी हैं। राहुल गांधी कई बार यह भी कह देते हैं कि संघ महिला विरोधी है क्योंकि वहां महिलाओं को कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाता। उन्हें पता होना चाहिए कि राष्ट्रीय सेविका समिति और दुर्गा वाहिनी भी संघ के ही आनुषांगिक संगठन है और इन्हें महिलाएं ही चलाती हैं। कई लोग बीच–बीच में संघ के ध्वज पर भी सवाल उठा देते हैं और पूछते हैं कि तिरंगे की बजाय भगवा ध्वज क्यों? यह सवाल पूछने वालों को पहले यह समझना होगा कि संघ के लिए भी तिरंगा ही सबसे पहले है जहां तक बात भगवा ध्वज की है तो वह संघ के लिए गुरु समान है। यह सर्वविदित है कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार थे। जब डॉ. हेडगेवार से यह आग्रह किया गया कि संस्थापक होने के नाते वह ही संगठन के गुरु बनें तो उन्होंने विनम्रतापूर्वक इंकार करते हुए हिंदू संस्कृति के प्रतीक भगवा ध्वज को गुरु के रूप में प्रतिष्ठित किया था।

संघ की भारत भक्ति

यही नहीं, आरएसएस की भारत भक्ति पर सवाल उठाते हुए उस पर तमाम तरह के आरोप लगा देना बड़ा आसान है लेकिन यह सबसे बड़ा सत्य और तथ्य है कि भारत में आरएसएस ही ऐसा संगठन है जो सिर्फ भारत माता की जय के नारे लगाता है और भारत माता का जयघोष चारों दिशाओं में गूँजता रहे इसके लिए निरन्तर कार्य करता है। किसी आपदा या संकट के समय आरएसएस के नेताओं को स्वयंसेवकों से मदद के लिए जुटने का आग्रह या आह्वान नहीं करना पड़ता बल्कि राहत कार्यों में सरकारी एजेंसियों से पहले स्वयंसेवक ही जुट जाते हैं।

संघ से ज्यादा योगदान किसी का नहीं

बहरहाल, संघ को समझना आसान भले नहीं हो लेकिन नामुमकिन भी नहीं है। संघ पर किसी भी प्रकार का आरोप लगाने से पहले जरा संघ की शाखा में जाना शुरू कीजिये, आपकी राय अपने आप बदल जायेगी। संघ ने समय–समय पर अपने बारे में भ्रम दूर करने के लिए सर्वसमाज को आमंत्रित करते हुए सम्मेलनों का भी आयोजन किया है। कभी मौका लगे तो ऐसे सम्मेलनों का हिस्सा बनिये और अपने मन के और दूसरों के मन के भ्रम को भी दूर कीजिये। जहां तक संघ पर तालिबानी संगठन होने का आरोप लगाने की बात है तो संघ तालिबानी नहीं बलिदानी संगठन है और देश तथा समाज के लिए इसने अनेकों बलिदान किये हैं। आजादी के आंदोलन में भले संघ से ज्यादा किसी अन्य संगठन का योगदान रहा हो लेकिन आजाद भारत के निर्माण में संघ से ज्यादा योगदान किसी अन्य संगठन का नहीं है।

संयुक्त बार ने ग्राम न्यायालय के मनकापुर मे स्थापना की प्रक्रिया के विरोध मे कल और परसो राजेन्द्र लाहिडी चौराहा पर विरोध–प्रदर्शन किया जायेगा

मुंसिफ न्यायालय व ग्राम न्यायालय स्थापना की प्रक्रिया का विरोध, डी,जे व जिलाअधिकारी के दूषित मानसित्का के चलते अधिवक्ता है आन्दोलित––

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोण्डा। जिला वार एसोसिएशन के तत्वावधान में संयुक्त बार एसोसिएशन के पदाधिकिरियो एवं अधिवक्ताओ ने शोमवार को अध्यक्ष दीनानाथ त्रिपाठी, राजेश कुमार मिश्र एवं महामंत्री मनोज कुमार सिंह,अनुज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में समस्त तहसीलों पर मुंसिफ न्यायालय व ग्राम न्यायालय की स्थापना के विरोध मे आक्रोश व्यक्त करते हुये धरना दिया। इस मौके पर धरना प्रदर्शन देते हुए अपने अपने विचार व्यक्त किया कि अगर मुंसिफ न्यायालय व ग्राम न्यायालय तहसील मुख्यालय पर ग्राम न्यायालय की स्थापना की जाती है तो वहां पर भी तहसील जैसी व्यवस्था हो जायेगी और गरीबो को सालो –साल न्याय नही मिल पायेगा। वहां पर दबंगो का बोलबाला हो जायेगा, जिससे न्यायपालिका की गरिमा तो गिरेगी ही और साथ ही साथ भष्टाचार की गंगोत्री स्थापित हो जायेगी। किसी भी दृष्टिकोण तहसील स्तर पर ग्राम न्यायालय की स्थापना सही नही होगा। धरना प्रदर्शन मे दीना नाथ त्रिपाठी अध्यक्ष ने बताया कि हमारी मांग है कि ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 के विधि आयोग ने ग्राम न्यायालय के सम्बन्ध मे आम जन, सामान्य व्यक्ति को त्वरित सस्ता और सारवान् न्याय उपलब्ध कराया जा सके जो किसी तहसील परिसर मे स्थापित होने से सम्भव नही है, जिस प्रकार से तहसील मनकापुर मे ग्राम न्यायालय की स्थापना की जा रही वह विधि आयोग के विधि विरूद्ध है, यह न्यायालय एक मोबाइल न्यायालय के रूप मे संचालित होनी है, जिसका मुख्यालय जिला मुख्यालय पर ही होना चाहिए। धरना–प्रदर्शन के दौरान ही अध्यक्ष दीनानाथ त्रिपाठी ने अगली रणनीत के लिए सिविल बार एसोसिएशन के सभागार मे एक बैठक की बैठक के दौरान वहां उपस्थित पूर्व अध्यक्ष व मंत्री के साथ–साथ बरिष्ठ कनिष्ठ अधिवक्ताओ की आम राय ली गयी जिसमे तमाम अधिवक्ताओ ने ताला बन्दी, अमरण अनशन से लेकर शासन प्रशासन से आमने सामने तक की लड़ाई लड़ने की राय दी गयी इन सभी राय के बाद अभी तक चल रही हड़ताल और धरना–प्रदर्शन का असर शासन प्रशासन पर न पड़ने के कारण हमे और उग्र होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विधि संगत सभी बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित कराते हुए दोनो बार के पदाधिकारी एवं मुंसिफ न्यायालय व ग्राम न्यायालय स्थापना के विरोध हेतु बाबत बने प्रतिनिधिमंडल ने अपने अपने विचार रखे। आज के धरना–प्रदर्शन का संचालन महामंत्री मनोज कुमार सिंह ने किया और बताया कि अगर इस आन्दोलन पर जल्दी ही कोई आवश्यक उचित कार्रवाही नही हुई तो वादकारियो व अधिवक्ताओ के हित मे संयुक्त बार एसोसिएशन व्यापक बड़ा आन्दोलन करने पर मजबूर होगा।

धरना–प्रदर्शन में उपस्थित,,गोकरन नाथ पाण्डेय, उपेन्द्र कुमार मिश्र व विन्देश्वरी प्रसाद दूबे, भगौती प्रसाद मिश्र, राम बुझारत द्विवेदी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविन्द कुमार पाण्डेय, जमील खां,अनिल सिंह, अशोक तिवारी, विजयप्रकाश त्रिपाठी,कौशल किशोर पाण्डेय। रमेश कुमार दूबे, अनुपम शुक्ल,गिरवर चतुर्वेदी. रजनीश पाण्डेय। रामू प्रसाद, सन्तोष कुमार ओझा , विश्वनाथ सिंह, भगौती प्रसाद पाण्डेय, अमर चन्द यादव मौजूद रहे।

अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने दिया ज्ञापन

शासनआदेश का अनुपालन न किया जाने पर भड़के फार्मासिस्ट, एबीपीए ने भरा दम

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष हरि ओम सिंह के नेतृत्व में फार्मासिस्टओ का प्रतिनिधि मंडल आज मंडलायुक्त देवीपाटन मंडल कमिश्नर,अपर मुख्य सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग और जिलाधिकारी को संबोधित

ज्ञापन सौंपा। औषधि अनुज्ञापन अधिकारी/ सहायक आयुक्त औषधि द्वारा शासन के शासनआदेश का अनुपालन ना के जाने संबंध में ज्ञापन सौंपा गया है। जिलाध्यक्ष हरि ओम सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के देवीपाटन मंडल के औषधि अनुज्ञापन अधिकारी / सहायक औषध आयुक्त द्वारा मंडल के किसी भी जनपद में शासन के शासनादेश के अनुरूप नियत समय में लाइसेंस नहीं जारी किया जा रहा है उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा शासन स्तर से मेडिकल स्टोर के रिटेल और होलसेल के लाइसेंस के जारी होने में तमाम अनियमितताओं को संज्ञान में लेकर एक शासनादेश जारी किया गया था जिसमें रिटेल का लाइसेंस आवेदन करने के 24 घंटे के अंदर औषधि अनुज्ञापन अधिकारी को जारी करने का निर्देश दिया गया था और होलसेल लाइसेंस में 15 दिन में जारी करने का निर्देश दिया गया था और रिटेल लाइसेंस जारी होने के बाद औषध निरीक्षक को भौतिक सत्यापन करना होता है लेकिन देवीपाटन मंडल में औषधि अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा रिटेल लाइसेंस को शासन के निर्देश के अनुरूप 24 घंटे में जारी नहीं किया जा रहा है और लाइसेंस को औषधि निरीक्षक को भौतिक सत्यापन हेतु फॉरवर्ड कर दिया जा रहा है और मोडिफिकेशन में डाल दिया जा रहा है इसको लेकर डीएलए से 11 अगस्त अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में को भी की गई जिसके उपरांत डीएलए द्वारा शासन के अनुरूप 24 घंटे में रिटेल लाइसेंस जारी करने का आश्वासन दिया गया था लेकिन उन्होंने पुनः लाइसेंस नहीं जारी किया जा रहा है उसकी एवज में विभाग में वसूली की बात की जाती है। और फार्मासिस्टओ का शोषण किया जा रहा है। इस मौके पर रतन कुमार, ऋषि ओम सिंह, विजय तिवारी, प्रदीप सिंह,केशरी नंदन आदि मौजूद रहे।

मादक पदार्थ मामले में ईडी के सामने पेश हुए अभिनेता नवदीप

हैदराबाद, (वेब वार्ता)। तेलुगु अभिनेता पी. नवदीप, 2017 में सामने आए मादक पदार्थों के एक मामले से जुड़े धन शोधन की जांच के संबंध में सोमवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। तेलंगाना के आबकारी विभाग ने 'एलएसडी' और 'एमएसडी' जैसी नशीली दवाओं की आपूर्ति करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया था। इस सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश होने वाले नवदीप, तेलुगु फिल्मोद्योग की 10 हस्तियों में से एक हैं जिन्हें एजेंसी ने तलब किया है। इस साल 31 अगस्त से अब तक, फिल्मकार पुरी जगन्नाथ, अभिनेत्री चार्मी कौर और रकुल प्रीत सिंह, अभिनेता नंदू, राणा दग्गुबाती और रवि तेजा ईडी के सामने पेश हो चुके हैं। मादक पदार्थों के इस गिरोह का भंडाफोड़ जुलाई 2017 में हुआ था जिसमें नशीली दवाओं की तस्करी के संबंध में कई मामले दर्ज किये गए थे और एक अमेरिकी, एक डच और एक दक्षिण अफ्रीकी नागरिक समेत बीटेक डिग्री धारक कई लोग भी गिरफ्तार किये गए थे। गिरोह से जुड़े लोगों से पूछताछ में तेलुगु फिल्मोद्योग की हस्तियों का नाम सामने आया था।

समाजवादी छात्र सभा उन्नाव ने दिया ज्ञापन

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर व समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह देव के दिशा निर्देश पर समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में गरीब दलित पिछड़े अल्पसंख्यक

समुदाय के छात्रों की छात्रवृत्ति रोके जाने के विरोध में तथा दलित छात्रों की जीरो फीस जारी न किए जाने के विरोध में आज जिला अधिकारी के द्वारा आदरणीय राज्यपाल महोदय जी के नाम एक ज्ञापन दिया। जिसमें समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि वैश्विक बीमारी कोरोना के इस काल में प्रदेश की योगी सरकार छात्रों और नौजवानों पर कोई ध्यान नहीं दे रही है उसी का परिणाम है कि आज हजारों छात्र स्कूल नहीं जा पा रहे हैं हम प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह छात्रों की छात्रवृत्ति जारी करें वा कम से कम फीस जमा करने का आदेश करें।अगर जल्दी छात्रवृत्ति नहीं जारी की गई तो समाजवादी छात्र सभा पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। ज्ञापन देने वालों में हरिकेश पाल, मनोज निषाद, अखिलेश कुशवाहा, सौम्य यादव, अश्वनी यादव,आलोक कुशवाहा,मुकेश रावत, अभिषेक रावत,कुलदीप यादव,कोमल यादव, सैफ अहमद, मोहसिन खान अजीत कुशवाहा, अजय यादव सैकड़ों छात्र सभा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान हितैषी है सपाः हिमांशु

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। सपा नेता चौधरी हिमांशु पटेल ने विधानसभा क्षेत्र के विकासखण्ड रमियाबेहड़ के ग्राम मल्लबेहड़, भंगहा, मझरा पूरब, दरेरी व पढुआ में जनसम्पर्क व बैठक की ग्राम मल्लबेहड़ में आयोजित बैठक में सपा नेता ने कहा कि जब जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी है तब गन्ना किसानों का समय पर भुगतान किया जाता था खाद के लिए किसानों को लाठी नही खानी पड़ती थी जब से उत्तर प्रदेश और केंद्र में भाजपा की सरकार आयी है किसानों का उत्पीड़न हो रहा है पराली जलाने के नाम पर किसानों के खिलाफ फर्जी मुकदमें लिखे जा रहे हैं केंद्र सरकार के किसान विरोधी काले बिल किसान के लिए फांसी का फंदा है दिल्ली बॉर्डर पर किसान आंदोलन में लगभग 600 किसान शहीद हो चुके हैं लेकिन केंद्र में बैठी भाजपा सरकार के कानों में जू तक नही रेंगी। पूरे उत्तर प्रदेश में लूट अपहरण , हत्या, बलात्कार जैसी घटनाएं आम हो गई हैं लेकिन

प्रदेश के मुख्यमंत्री को सब हरा हरा दिख रहा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों की तरह इधर के किसानों को भी ये लड़ाई लड़नी है तभी किसान का भला होगा। इस मौके पर इंद्रेश यादव, पिछड़ा वर्ग के ब्लाक अध्यक्ष सुबोध वर्मा, पूर्व प्रधान रामादल वर्मा, शिवपूजन वर्मा ज्ञानशू, राहुल सिंह, अजय यादव, शानदार खान, गोपाल यादव, सूर्या साहनी, अतीक खान, दिलबाग सिंह, श्रवण सिंह, हीरालाल गौतम, रमाकांत पांडेय, विनीत गिरी, छोटे यादव, सरदार यादव, रामू मिश्रा सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने थाना कोतवाली नगर का किया औचक निरीक्षण, समस्त चौकी प्रभारी/बीट उ0नि0गण के साथ मीटिंग कर IGRS/ शिकायती प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करने के दिये निर्देश–

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। सोमवार को पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने थाना कोतवाली नगर का औचक निरीक्षण किया। जिसमें थाना परिसर, निर्माणाधीन विवेचना कक्ष व आरक्षी बैरिक, थाना कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, बाल मित्र पुलिस कक्ष आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर की साफ सफाई रखने, निर्माणाधीन विवेचनाकक्ष व आरक्षी बैरक में गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपयोग करने के लिए सम्बन्धित कार्यदायी संस्था/ठेकेदार को निर्देशित किया। तत्पश्चात् पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय, विवेचना/कम्पयूटर कक्ष, बाल मित्र पुलिस कक्ष के रिकार्डो का अधतन करने व साफ सफाई रखने एवं मिशन शक्ति कक्षध्महिला हेल्पडेस्क पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों को आने वाली महिला फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके प्रति सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करते हुए तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने थाने पर आए हुए एक बुजुर्ग फरियादी की समस्या को सुनकर प्रभारी निरीक्षक व चौकी प्रभारी महराजगंज को तत्काल मौके पर जाकर समस्या के निस्तारण हेतु निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया की आने वाले प्रत्येक फरियादी की विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों की समस्या को संवेदनशीलपूर्वक सुनकर उनका निस्तारण किया जाए। तदोपरान्त पुलिस अधीक्षक ने थाना क्षेत्र के समस्त चौकी प्रभारी व बीट उ0नि0 के साथ IGRS के सम्बन्ध में मीटिंग की तथा निर्देशित किया की प्रत्येक IGRS/ शिकायती प्रार्थना पत्रो का स्वयं मौके पर जाकर आवेदक की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करे। लम्बित विवेचनाओ का भी गुणदोष के आधार पर निस्तारण व वांछित अभियुक्तो की शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए।

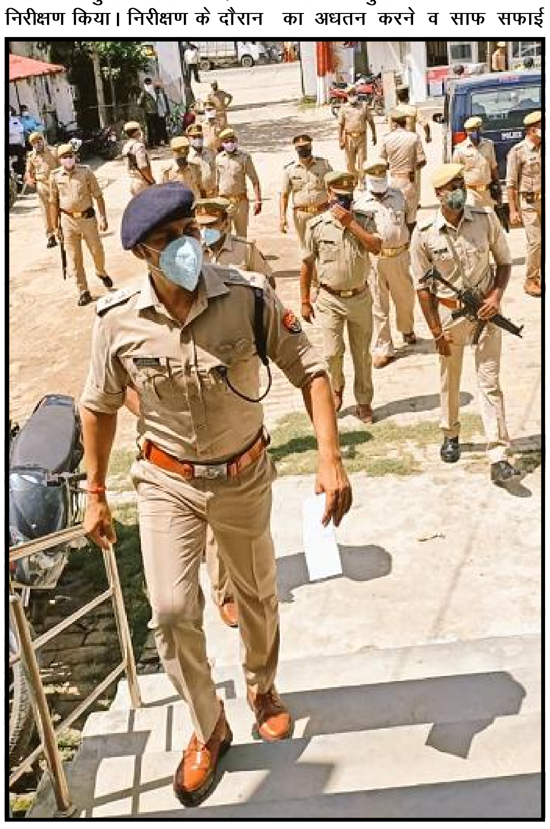

आग से जलकर युवक की हुई मौत

मृतक युवक करीब 10 बर्षो से था मानसिक विछिप्त

अवध की आवाज

उरई (जालौन) ग्राम ऊमरी में 31 बर्षीय युवक की आग से जलकर मौत हो जाने की घटना सामने आयी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ऊमरी निवासी सुरेश अहिरवार का 31 बर्षीय पुत्र विक्रम उर्फ हन्ने बिगत करीब 10 बर्ष पहले मानसिक रूप से विछिप्त हो गया था और वह गांव में यहाँ वहां फिरता रहता था जिससे परिजन भी परेशान रहते थे।सोमवार की सुबह विक्रम आग से बुरी तरह जल गया जिससे उसकी मौत हो गयी।ग्रामीणों ने बताया कि वाहन की सर्विस के उपरांत निकला खराब मोबिल ऑयल एक डिब्बे में रखा हुआ था और उसमें थोड़ा बहुत पेट्रोल भी मिला हुआ था जिसे विक्रम ने अपने शरीर के ऊपर उड़ेल लिया और बाहर जल रहे चूल्हे के समीप आकर वह बैठ गया जिससे वह आग से जल गया वहीं परिजनों द्वारा सुबह के समय जल रही लैम्प विक्रम के शरीर के ऊपर गिर जाने की बात कही जा रही है।घटना के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

पूर्व विधायिका ने किया जन सम्पर्क

जन्म संपर्क करती समाजवादी पार्टी की पूर्व विधायिका राजेश्वरी देवी

अवध की आवाज ब्यूरो

पिहानी/हरदोई। कस्बे के कई मोहल्ले में पूर्व विधायिका राजेश्वरी देवी ने आज जनसंपर्क करके आगामी 2022 में सपा के पक्ष में वोट देने की अपील की और कहा कि आगामी चुनाव में समाज वादी पार्टी को पूर्ण बहुमत से सीट जिताकर अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कहा।मोहल्ला मिश्राना में मनोज मिश्रा(मन्नू) के आवास पर जन सम्पर्क के दौरान विधायिका ने कहा कि भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा मंहगाई है,किसानों का शोषण किया जा रहा है,डीजल,पेट्रोल,सब्जी राशन के दाम आसमान छू रहे है,परंतु इसपे लगाम लगाने वाला कोई नही है।सपा की सरकार में आगरा एक्सप्रेस वे का निर्माण हुआ,राजेश्वरी देवी ने कहा कि सभी जातियो को एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के साथ आगामी आने वाले चुनाव मे पूर्ण बहुत से सरकार बनानी है।भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों की वजह से हर जाति धर्म वर्ग के लोगो को बहुत परेशान किया गया।इसलिए सभी लोगो को एक जुट होकर समाजवादी पार्टी को वोट देकर सपा सरकार बनाने के लिए उत्सुक हो।समाजवादी पार्टी की सरकार ने हर जात वर्ग के लोगो के हित मे विकाश कार्य कराने का कार्य किया।जिसके बाद पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय सईद खान के आवास पे जाकर उनके पुत्र युवा नेता सैफ खान से मुलाकात की और नम आंखों से कहा की आपके पिता बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे । बैठक में प्रमुख रूप से सपा नगर अध्यक्ष मौलाना सबिहुद्दीन कासमी,जिला महासचिव हफिज मंसूरी,डॉक्टर फरीद खान,सलीम खान,सभासद कफील खान,नगरमहा सचिव मेघनाथ मिश्रा,नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद अजीम, इब्राहिम खान, राजकुमार आदि लोग मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के आर्थिक एवँ सामाजिक विकास हेतु हुआ सेमिनार आयोजन।

अवध की आवाज ब्यूरो

हरदोई। सोमवार को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से संस्था माँ पूर्णा जन कल्याण सेवा संस्थान द्वारा मन्नत गेस्ट हाउस पिहानी रोड हरदोई में अल्पसंख्यक समुदाय की समुदाय में जागरूकता का अभाव है।इसीलिए सरकार ने मंत्रालय की बिभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने के लिए सेमिनार के आयोजन के लिए निर्देशित किया है। मुख्य वक्ता आलम रब्बानी जी एवँ समी जी ने

के आर्थिक एवँ सामाजिक विकास हेतु एवँ अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने हेतु दो दिवसीय सेमिनार / कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम के प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में रोहित सिंह अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी हरदोई एवं विशिष्ट अतिथि वक्फ निरीक्षक रूपेश कुमार शुक्ला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग हरदोई प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहे। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार सेमिनार में 50 अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आलम रब्बानी एवँ मोहम्मद समी जी रहे ।इनके साथ अन्य वक्ता नूर आलम राहुल श्रीवास्तव राकेश सिंह मोहम्मद इकराम जी आदि लोग उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता जीने अपने सम्बोधन में बताया की सरकार की मंशा है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ सभी को मिले। इसके लिए सभी को शिक्षा जरूरी है। अन्य समुदाय की अपेक्षा आप लोगों सभी योजनाओं को विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आप लोगों को संस्था की तरफ से बहुत ही जरूरी जानकारी दी जा रही है। इसके साथ संस्था के अध्यक्ष नीरज शुक्ला की तारीफ करते हुए कहा कि संस्था इस क्षेत्र में बहुत ही अच्छा कार्य कर रही हैं। मुख्य अतिथि रोहित सिंह जी ने अपने संबोधन में बताया कि अल्पसंख्यक बालिकाओं के लिए शादी का अनुदान नहीं दिया जाता है इसके लिए आप लोगों को हमारे कार्यालय पर आकर किया किसी भी जन सेवा केंद्र से ऑनलाइन अप्लाई करा कर इसका लाभ लिया जा सकता है। इससे पूर्व संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि एवँ मुख्य वक्ता के साथ अन्य वक्ताओं को माला पहना कर स्मृति चिन्ह देकर स्वागत / सम्मान किया। अंत मे संस्था नीरज शुक्ला जी ने सेमिनार में आये हुए सभी प्रतिभागियों ,अतिथियों एवँ वक्ताओं को धन्यवाद देते हुए सेमिनार समापन की घोषणा की।

आयुष्मान खुराना: मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि वे खुद को स्टीरियोटाइप न समझे

मुंबई, (वेब वार्ता)। अभिनेता आयुष्मान खुराना का कहना है कि एक कलाकार के रूप में उनका उद्देश्य लोगों को लगातार यह बताना है कि वे खुद को या दूसरों को स्टीरियोटाइप न समझें। उन्होंने कहा कि उनकी फिल्म ड्रीम गर्ल का उद्देश्य यही था। जिसकी रिलीज के आज अपने दो अभिनेता ने कहा कि मुझे ड्रीम गर्ल की स्क्रिप्ट पसंद आई क्योंकि इसने हमें खुद को स्टीरियोटाइप नहीं करने के लिए कहा था। इसने हमें बताया कि जब हम इस चक्र को तोड़ते हैं, तो हम समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब मैंने पूजा बनने का फैसला किया तो मेरे

साल पूरे हो गए है। आयुष्मान ने कहा कि जानबूझकर या अनजाने में हम लगातार अपने आस–पास की हर चीज को स्टीरियोटाइप करने के लिए बाध्य होते हैं। कभी–कभी, हमें यह भी पता नहीं होता है कि हम या तो स्टीरियोटाइप हो रहे हैं या दूसरों को स्टीरियोटाइप कर रहे हैं। फिल्म के माध्यम से इस महत्वपूर्ण संदेश को व्यक्त करने की कोशिश करने के लिए स्टार ने अपने निर्देशक राज शांडिल्य और उनकी निमार्ता एकता कपूर को श्रेय दिया। किरदार करमवीर ने खुद को रूढ़िबद्धता से अलग कर दिया। मेरे लिए, यह एक ताजा और विघटनकारी विचार था । मैं लगातार ऐसे विषयों की तलाश में रहता हूं, जो अलग हों, और दर्शकों को एक संदेश देते हों। आयुष्मान ने खुलासा किया कि अगर वह रूढ़ियों को तोड़ने के मिशन पर बने रहे तो एक अभिनेता के रूप में उन्हें संतुष्टि मिलेगी। आयुष्मान को फिलहाल अपनी तीन फिल्में अनेक, चंडीगढ़ करे आशिकी और डॉक्टर जी की रिलीज का इंतजार है।

सुहाना खान ने न्यू यॉर्क में कराया आउटडोर फोटोशूट, सोशल मीडिया पर रुक नहीं रहीं तारीफें

मुंबई, (वेब वार्ता)। शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान की सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी हॉट तस्वीरें शेयर करती हैं। अब एक बार फिर उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनकी काफी चर्चा हो रही है। इन स्टनिंग तस्वीरों के जरिए सुहाना ने बताने की कोशिश की कि न्यू यॉर्क में उन्होंने अपना संडे कैसे बिताया। वह इस आउटडोर फोटोशूट को इंजॉय करती दिखीं। इस दौरान सुहाना चिक आउटफिट में नजर आईं और कैमरे के लिए अलग–अलग पोज दिए। सुहाना ने ब्लैक टैंक टॉप के साथ डेनिम शॉर्ट्स और एक ओवरसाइज शर्ट को कैरी किया। उन्होंने ब्लैक लोफर्स, लाइम ग्रीन पर्स और थोड़े मेकअप के सा अपने लुक को कम्प्लीट किया। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया, 'संडे। जैसे ही सुहाना ने पिक्चर्स शेयर कीं, उनके दोस्तों ने उनके ट्रेंडी लुक की तारीफ की। जहां एक ने उन्हें 'स्टनर'

बताया तो दूसरे ने लिखा, 'तुम और ये फिट।' इसके साथ यूजर ने हार्ट रिऐक्शन भी दिया। सुहाना के पोस्ट को रिद्धिमा कपूर साहनी, खुशी कपूर और तमाम लोगों ने लाइक किया। बता दें, सुहाना फिलहाल न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी से फिल्ममेकिंग की पढ़ाई कर रही हैं। पढ़ाई के बाद वह बॉलिवुड डेब्यू कर सकती हैं। इससे पहले वह शॉर्ट फिल्म 'द ग्रे पार्ट ऑफ ब्लू' में नजर आई थीं और अपनी ऐक्टिंग स्किल्स से हर किसी को इम्प्रेस किया था।

हिना खान और रोहित रॉय मालदीव में, सामने आया समंदर किनारे मस्ती वाला मजेदार वीडियो

मुंबई, (वेब वार्ता)। हिना खान मालदीव में अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जयसवाल के साथ रोमांटिक ट्रिप पर हैं। हाल ही में वाइफ के साथ रोहित रॉय भी मालदीव रवाना हुए थे। हिना खान और रोहित रॉय की मालदीव में मुलाकात का एक बहुत ही खूबसूरत वीडियो सामने आया है। रोहित रॉय ने इंस्टाग्राम पर हिना खान के साथ कुछ तस्वीरें और वीडियो भी शेयर किए हैं। यूं तो हिना खान मालदीव में अपने बॉयफ्रेंड के साथ हैं, लेकिन इस वक्त रोहित रॉय के साथ रोमांस वाला वीडियो सोशल मीडिया पर छाया है। इस ट्रिप पर हुई मुलाकात के बाद दोनों ने फिल्म 'शेरशाह' के सॉन्ग 'किंत्थे चलिए' पर रोमांटिक वीडियो शूट किया। वीडियो में दोनों इस गाने पर रोमांस करते नजर आ रहे हैं। इससे पहले रोहित ने हिना खान के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था, 'सोचिए, मालदीव में मैं किनसे टकराया, आखिरकार दुनिया छोटी जो है।' रोहित रॉय ने वाइफ मानसी जोशी के साथ भी कई सारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रखी हैं। हिना खान और रॉकी जयसवाल ने भी इस ट्रिप की तस्वीरें अपने–अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। बताया गया है कि इस ट्रिप पर रॉकी जयसवाल की फैमिली भी उनके साथ है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें आठवें दिन स्थिर

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार मे तेल कीमतों के करीब 10 दिनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बीच सोमवार को दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार आठवें दिन कोई बदलाव नहीं हुआ।

पिछले रविवार को इन दोनों की कीमतों में 15–15 पैसे प्रति लीटर की कमी की गयी थी। दिल्ली में आज इंडियन ऑयल के पंप पर पेट्रोल जहां 101.19 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 88.62 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 101.19 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 88.62 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

तेल उत्पादक देश लीबिया में तेल उत्पादन करने वाली कंपनी के प्रमुख को निलंबित किये जाने के साथ ही प्रदर्शनकारियों के उत्पादन ठप करने की चेतावनी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत में तेजी आयी है। आज सुबह सिंगापुर में कारोबार शुरू होने पर ब्रेंट क्रूड 0.7 फीसदी चढ़कर 73.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 70.21 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे।

जेट एयरवेज २०२२ की पहली तिमाही में घरेलू सेवाएं फिर से शुरू करेगी: जालान कालरॉक

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। जेट एयरवेज 2022 की पहली तिमाही तक घरेलू विमान सेवाएं फिर से शुरू करेगी और अगले साल की आखिरी तिमाही तक छोटी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करेगी। बंद पड़े एयरलाइन के अधिग्रहण के लिए सफल बोली लगाने वाले जालान कालरॉक गठजोड़ ने सोमवार को यह जानकारी दी। गठजोड़ ने बताया कि जेट एयरवेज की पहली उड़ान दिल्ली–मुंबई मार्ग पर होगी और एयरलाइन का मुख्यालय मुंबई के बजाय अब दिल्ली में होगा। गौरतलब है कि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने इस साल जून में जेट एयरवेज के लिए जालान कालरॉक गठजोड़ की समाधान योजना को मंजूरी दी थी। दो साल पहले कंपनी के दिवाला समाधान के लिए कार्यवाही शुरू हुई थी। जालान कालरॉक गठजोड़ के प्रमुख सदस्य मुरारी लाल जालान ने कहा, 'जेट एयरवेज 2.0 का लक्ष्य 2022 की पहली तिमाही तक घरेलू परिचालन और 2022 की तीसरी/चौथी तिमाही तक

अंतर्राष्ट्रीय परिचालन को फिर से शुरू करना है। उन्होंने कहा कि गठजोड़ की योजना तीन साल में 50 से अधिक विमान और पांच साल में 100 से अधिक विमानों का बेड़ा तैयार करने है, जो गठजोड़ की अल्पकालिक और दीर्घकालिक व्यापार योजना के लिहाज से पूरी तरह उपयुक्त है।

गहरा दबाव क्षेत्र ओडिशा तट के पार, मध्य और पश्चिम भारत में भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र गहरे दबाव में परिवर्तित होकर सोमवार सुबह ओडिशा के तट को पार कर गया, जिसके बाद राज्य में भारी बारिश हुई। आईएमडी ने बताया कि इस प्रभाव की वजह से पश्चिमी और मध्य भारत में भारी बारिश की आशंका है। विभाग ने कहा कि ओडिशा और छत्तीसगढ़ में 13 सितंबर को और मध्य प्रदेश में 14 सितंबर को बेहद भारी बारिश का पूर्वानुमान है। विभाग ने बताया कि उत्तरी कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में भी अगले दो दिनों में भारी बारिश की आशंका है। आईएमडी के चक्रवात चेतावनी प्रभाग ने बताया कि ताजा तटीय स्थिति के अवलोकन से यह संकेत मिलता है कि यह पश्चिम –उत्तरपश्चिम की तरफ और बढ़ा और ओडिशा तट को पार कर गया। इसके आगे पश्चिम –उत्तरपश्चिम की तरफ बढ़ने और अगले 48 घंटे में उत्तरी ओड़िशा, उत्तरी छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की तरफ पहुंचने की संभावना है। अगले 24 घंटे में संभवतः यह कमजोर होकर दबाव में बदल जाएगा।

कॉपशॉप में अपनी भूमिका को लेकर जेरार्ड बटलर ने की बात

लॉस एंजिल्स, (वेब वार्ता)। हॉलीवुड स्टार जेरार्ड बटलर आगामी एक्शन थ्रिलर कॉपशॉप में पेशेवर हिटमैन बॉब विडिक की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2018 की द वैनिशिंग में वह अपने किरदार को कैसे देखते है। हेययूगाइज डॉट कॉम से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि मैं इसे प्रतिभा नहीं कहूंगा, लेकिन यह निश्चित रूप से स्वाभाविक है। द वैनिशिंग फिल्म जो मैंने कुछ साल पहले स्कॉटलैंड में बनाई थी, दिलचस्प थी, उस पागलपन के हर हिस्से में तल्लीन होना दिलचस्प था। मेरे पास यह सब है, मेरे पास प्रकाश है, मेरे पास बहुत अंधेरा है, तो विदिक के साथ, यह वही विचार था, जो आप के उस पागल हिस्से में दोहन कर रहा था, वह हिस्सा जो किसी को मार सकता था, या मुक्त कर जा सकता

था। उन्होंने आगे कहा, इसके साथ मजे करना, वह क्षण जब मैं चिल्लाता हूँ, कि आप एक हत्यारे या एक हिटमैन के दिमाग में चढ़ जाते हैं, और इसे यथासंभव गंभीरता और सच्चाई से लेने की कोशिश करते हैं। लेकिन फिर भी आप जाते हैं, मैं इसे मजेदार, और चौंकाने वाला, और दिलचस्प, और अलग–अलग रंग और इसकी कई परतें कैसे बना सकता हूं। चीजों को मजेदार रखने के विषय पर, बटलर ने मजाक में यह भी कहा कि वह मेरिल स्ट्रीप के स्थान पर मम्मा मिया के सीक्वल में कदम रख पाएंगे। उन्होंने चुटकी ली कि हाँ, शायद मम्मा मिया एक अच्छी शुरुवात होगी। मुझे नहीं पता कि क्या मैं अब भी गा सकता हूँ, मुझे अपनी आवाज पर फिर से काम करना होगा। मुझे लगता है कि मैं शायद ऐसा कर सकता हूँ।

जेल अब मनोरंजन केंद्र नहीं, सुधार गश्ह: योगी

गोरखपुर, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य की जेलें अब अपराधियों के लिए मनोरंजन केंद्र नहीं हैं जबकि यह अब सुधार गश्हों में तब्दील हो गई हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अपराधियों और माफियाओं पर सख्त रवैया अपना कर उनमें डर की भावना पैदा की है। मुख्यमंत्री रविवार शाम 126 करोड़ रुपये की लागत से बने संत कबीर नगर जिला जेल का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा, एक समय था जब सरकारें माफियाओं की गुलाम होती थीं, लेकिन आज उनके घरों पर बुलडोजर चलती हैं। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की सरकारों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, क्या आपको अब्बा जान और बहनजी सरकारों के दौरान निर्बाध बिजली और नियमित राशन मिला? तब राज्य अंधेरे में डूबा हुआ था। पिछले साढ़े चार साल में यूपी में भूख से कोई मौत नहीं हुई है। हवाई चप्पल पहनने वाले और किसानों के बेटे

अब हवाई यात्रा करेंगे। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए कहा, इसके शासन में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और माफिया हावी थे। मोदी सरकार ने 135 करोड़ लोगों को विकास दिया और सबका साथ, सबका विकास के एजेंडे के साथ काम किया। उन्होंने कहा कि संत कबीर नगर जिले को अस्तित्व में आए 24 साल हो गए, लेकिन कोई विकास नहीं हुआ। केवल राजनीति से प्रेरित घोषणाएं की गईं, भ्रष्टाचार, जातिवाद और भाई–भतीजावाद के कारण जमीन पर कुछ भी नहीं निकला। पिछले साढ़े चार साल में नाटकीय बदलाव आया है और जिला अब विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

दक्षिण कोलकाता में बदमाशों ने कारोबारी को गोली मारकर घायल किया

कोलकाता, (वेब वार्ता)। दक्षिण कोलकाता के एलगिन इलाके में एक कारोबारी को सोमवार सुबह कुछ बदमाशों ने गोली मारकर घायल कर दिया। इस घटना को मोटरसाइकिलों पर सवार 15–18 लोगों ने अंजाम दिया जिन्होंने कारोबारी की कार को कथित तौर पर रोका था। पुलिस ने बताया कि हावड़ा के रहने वाले पंकज सिंह एक कार्यक्रम में शामिल होकर अपने दोस्तों के साथ मध्य रात्रि को घर लौट रहे थे जब गोरकी सदन के निकट उनकी कार रूकी। जब सिंह कार से निकले तो बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की। बाद में एक बदमाश ने कथित तौर बंदूक निकाल कर सिंह पर गोली चला दी जो उनके दाएं हाथ में लगी। अधिकारियों ने बताया कि अभी इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। सिंह का अस्पताल में इलाज चल रहा है। शेक्सपियर सरानी थाने के एक अधिकारी ने कहा कि यह कारोबारी दुश्मनी का मामला लग रहा है।

अखिलेश यादव से मिले बीजेपी विधायक, सियासी सरगर्मी तेज

लखनऊ, (वेब वार्ता)। सीतापुर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक राकेश राठौर ने समाजवादी

पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की, जिससे राजनीतिक हलचल शुरु हो गई है। राठौर ने रविवार शाम अखिलेश यादव से मुलाकात की, जिससे राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई। बाद में मुलाकात की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि भाजपा के 100 से अधिक विधायक पार्टी के संपर्क में हैं और पार्टी अध्यक्ष से मिलने का समय चाहते हैं। राकेश राठौर ने अपनी पार्टी में एक अप्रिय टिप्पणी की थी, जब उन्होंने लगभग तीन महीने पहले कहा कि वह अपनी पार्टी की सरकार के खिलाफ देशद्रोह के आरोप में बुक होने के डर से बोलने की हिम्मत नहीं करेंगे। राठौर सीतापुर से ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के नेता हैं। उन्होंने इससे पहले एक सरकारी अधिकारी से बातचीत में अपनी नाराजगी जाहिर की थी जब उन्होंने कहा था कि एक विधायक के तौर पर वह अपने लोगों की मदद नहीं कर सकते। बातचीत का ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। 55 वर्षीय राठौर ने हिंदी में कहा, हम ज्यादा बोलेंगे तो देशद्रोह, राजद्रोह हम पर भी तो लगेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि विधायक सरकार के सामने बहुत कम खड़े होते हैं जब उन्होंने सवाल किया, शविधायकों की हैसियत क्या है? (विधायकों की स्थिति क्या है)? भारतीय जनता पार्टी ने अखिलेश यादव के साथ राठौर की मुलाकात पर आधिकारिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, कुछ विधायक ऐसे हैं जो गैर–निष्पादक रहे हैं। अब वे 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने से आशंकित हैं और इसलिए चरागाहों की तलाश कर रहे हैं। राठौर उनमें से एक हैं। राठौर ने बैठक पर कोई टिप्पणी नहीं की।

अभियान : 15 से उर्वरक बिक्री केन्द्रों का होगा भौतिक सत्यापन, गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई

लखनऊ, (वेब वार्ता)। किसानों को उर्वरक की कोई कमी न हो। इसमें माफिया कुछ गड़बड़ न कर पायें। इसके लिए प्रदेश सरकार हर वक्त कई कदम उठा रही है। प्रदेश के सभी उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर आईएफएमएस पोर्टल में प्रदर्शित उर्वरकों का स्टाक एवं बफर गोदाम व बिक्री केन्द्रों पर उपलब्ध भौतिक स्टाक

का शत–प्रतिशत सत्यापन होगा। यदि पोर्टल पर दर्शाए गये उर्वरक की मात्रा वहां नहीं मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बार पूरे प्रदेश में 15 से 25 सितम्बर तक अभियान चलाकर बफर गोदाम व बिक्री केन्द्रों का सत्यापन कराया जाएगा। इस संबंध में शासन ने सभी मंडलायुक्तों, कृषि निदेशक व सभी जिलाधिकारियों को आदेश भेज दिया है। कृषि अनुभाग दो से भेजे गये पत्र में कहा गया है कि उर्वरक विक्रेताओं द्वारा पीओएस मशीन के माध्यम से की गयी उर्वरकों की बिक्री को सत्यापित करने के लिए सतत अनुश्रवण एवं प्रवर्तन आवश्यक है। इस प्रक्रिया का विचलन कर बिक्री करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। पत्र के माध्यम से यह भी अवगत कराया गया है कि 15 सितम्बर से 25 सितम्बर तक सभी बफर गोदामों, थोक विक्रेताओं के गोदामों एवं फुटकर उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर उपलब्ध भौतिक स्टाक का सत्यापन कर कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय। इसका सत्यापन के बाद शासन ने पूरी रिपोर्ट भी मांगी गयी है।

मायावती की पार्टी के लोगों से बाढ़ पीडितों को बेसहारा नहीं छोड़ने की अपील

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में बाढ़ के कारण हुई तबाही पर दुख जताते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोमवार को आरोप लगाया कि बाढ़ पीड़ितों की सरकारी मदद ज्यादातर कागजी व हवा–हवाई है। उन्होंने पार्टी के लोगों से अपील की कि वे बाढ़ पीडितों की मदद करें। मायावती ने ट्वीट में कहा, '' उत्तर प्रदेश के खासकर पूर्वांचल में बाढ़ के कारण इस वर्ष फिर व्यापक तबाही व बर्बादी से लाखों परिवारों का जीवन अति–बेहाल हो गया है। अपेक्षित सरकारी मदद ज्यादातर कागजी व हवा–हवाई होने से बेघर हुए लोगों का जीवन अति कष्टदायी बना हुआ है, जो बेहद दु:खद। सरकार तुरंत उचित कदम उठाए। उन्होंने एक और ट्वीट में कहा, ''स्पष्टतः उचित सरकारी मदद के अभाव में अति–विपदा में जीवन व्यतीत कर रहे लोगों को अपने सामर्थ्य के हिसाब से मदद करने वाले बसपा के लोगों से पुनः अपील है कि वे बाढ़ पीडितों को बेसहारा न छोड़ें तथा उनके प्रति अपनी मानवीय जिम्मेदारी का यथासंभव निर्वहन जारी रखें।

व्यापारियों को एकजुट करने में जुटी सपा, 15 को होगा कानपुर में सम्मेलन

कानपुर समेत आसपास के जनपदों के व्यापारी होंगे शामिल

कानपुर, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही प्रमुख विपक्षी पार्टी सपा हर वर्ग में अपनी पकड़ बनाने के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में व्यापारियों को भी अपने पक्ष में एकजुट करने के लिए व्यापार सभा का मंडल सम्मेलन कानपुर में 15 सितम्बर को होने जा रहा है। इस सम्मेलन में कानपुर के आसपास के जिलों के व्यापारी शामिल होंगे। समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव को देखते हुए उन सभी राजनेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है, जिनकी जनता के बीच अच्छी पकड़ है। चाहे यात्रा पर निकले प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल हों या इंद्रजीत सरोज। पार्टी ऐसे सभी नेताओं को जमीन मजबूत करने के लिए जिम्मेदारी सौंप दी है। ऐसे में व्याारियों को पार्टी के पक्ष में करने के लिए व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक संजय गर्ग को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधायक संजय गर्ग की अगुवाई में कानपुर के मर्चेंट चौंबर हाल में 15 सितम्बर को व्यापार सभा का सम्मेलन होने जा रहा है। इसमें कानपुर, कन्नौज, औरैया, इटावा, फर्रुखाबाद के व्यापारी प्रतिनिधि शामिल होंगे। यहां पर सपा व्यापार सभा से जुड़े राजनेता सपा सरकार में हुए विकास कार्यों को बताकर जन समर्थन जुटाने की रणनीति को आगे बढ़ाएंगे। व्यापार सभा के प्रदेश महासचिव अभिमन्यु गुप्ता ने बताया कि सपा सरकार में हुए विकास कार्यों को लेकर जनता से वोट मांगे जाएंगे। जनपद की सभी 10 विधानसभा सीटों पर भाजपा के झूठ और जुमलेबाजी की पोल खोल अभियान चलाकर भाजपा का असली चेहरा जनता के सामने लाया जाएगा। व्यापारी वर्ग भाजपा सरकार की गलत नीतियों से बहुत परेशान है और व्यापारियों को सपा के पक्ष में एकजुट किया जाएगा।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।